यह हो रहा है कि जमीनें सूख जाती हैं, पानी नहीं आता। इस साल बीस लाख का नुकसान हुआ। बहादुराबाद में जो जमीन रोकी गई थी हैवी इलेक्ट्रिकल्स के लिए उस जमीन की हालत यह हुई कि ढाई साल तक वह जमीन बेकार पड़ी रही, उसमें न एक ईंट लगी और न एक मशीन आयी और न एडवाइजर पहुंचे। सारा रुपया प्लानिंग में खत्म हो गया और सरकार को बीस लाख का नुक्सान हो गया इस हैवी इलेक्ट्रिकल्स की वजह से। अंग्रेज ने २६ हजार मुरब्बा मील में रेलों का जाल बिछा दिया लेकिन एक पैसा प्लानिंग पर खर्च नहीं किया। अंग्रेज ने इतना बड़ा पार्लियामेंट हाउस बना कर खड़ा कर दिया लेकिन प्लानिंग पर एक पैसा खर्च नहीं किया, इतना बढ़िया जमुना का पुल बना दिया लेकिन एक पैसा प्लानिंग पर खर्च नहीं किया।

आप अमरीका में और रूस में चले जाइए। आप देखेंगे कि कोई सरकार मंसूबे बाजी पर करोड़ों रुपया खर्च नहीं करती। यहां एक करोड़ रुपया केवल शेखचिल्ली के मंसूबों के लिए तनखाहों में दिया जाता है। पहले प्लानिंग कमीशन की एडवाइजरी बाडी के रूप में खड़ा किया गया था, लेकिन आज वह सुपर कैबिनेट हो गयी है, आज कैबिनेट पर उतना खर्चा नहीं होता जितना कि प्लानिंग कमीशन पर होता है। यह खर्च रोका जाना चाहिये और भारतवासियों को समझाया जाना चाहिये पैदावार बढ़ाना तुम्हारा काम है। आज किसान के लिए क्या किया जाता है। मैं आपको एक उदाहरण देना चाहता हूं। सहारनपुर में एक ग्रो मोर फूड की सभा हो रही थी। कलक्टर साहब सभापति के आसन पर कुर्सी पर बैठे थे और एम०एल०एज़० नीचे बैठे थे। उस वक्त एक किसान ने आकर पूछा कि यह सभा किस चीज की है, तो तहसीलदार ने उसको कान पकड़ कर निकाल दिया और कहा कि तुम्हारे मतलब की कोई बात नहीं है। आज हालत यह है कि जो पैदा करता है उसके मतलब की कोई बात ग्रो मोर फूड में होती। लेकिन मैं कह देना चाहता हूं कि जब तक मजदूर और किसान को यह नहीं मालूम होगा कि प्लानिंग उसके लिए है तब तक पैदावार नहीं बढ़ सकती।

काश्तकार की सबसे बड़ी दिक्कत यह है कि वह अपना गन्ना मिल पर ले जाता है। होना तो यह चाहिये कि उसे इसके लिए इनाम मिले, लेकिन वह जो बर्फ पड़ती हुई रातों में अपने बैलों को जोत कर—जिन बैलों को उसने बच्चों की तरह पाला है—मिल या स्टेशन पर ले जा कर खड़ा रखता है उसका उसको यह इनाम मिलता है कि उससे तीन आने मन का किराया और काट लिया जाता है। किसान 16 मील अपने प्यारे बैलों को जोत कर—जिनको उसने बच्चों की तरह पाला है— ले जाता है और उससे तीन आने मन का किराया काटा जाता है। मैं सरकार से कहता हूं कि इस ढांचे को बदल दीजिये। इसमें कुछ चेंज करने से काम नहीं चलेगा, इसमें तो आमूल चूल परिवर्तन करना होगा। जब तक एक गिलास में शराब भरी है तब तक उसमें दूध नहीं भरा जा सकता, पहले गिलास को शराब से खाली करो फिर दूध भरा जा सकता है।।

मेरा कहना है कि हिन्दुस्तान का किसान, मजदूर और दुकानदार तभी सुखी हो सकता है जब इस प्लानिंग को अफसरान से लेकर पब्लिक को दे दिया जाये।

17.04 hrs.

OBITUARY REFERENCE

Mr. Deputy-S communic**have to in-form the H**ᵒ a Boeing ser **demise of Sardar K.** Delhi, the poor **who passed**

[Mr. Deputy-Speaker]

away at Mysore on the 10th December, 1963, at the age of 68.

Sardar Pannikar was a Member of the Constituent Assembly of India (Legislative) during the years 1947-48.

We deeply mourn the loss of this friend and I am sure the House will join me in conveying our condolences to the bereaved family.

The House may stand in silence for a short while to express its sorrow.

Members then stood in silence for a short while.

17.05 hrs.

ALLEGED INACCURACY IN STATEMENT OF PRIME MINISTER—*contd.*

उपाध्यक्ष महोदय डा० लोहिया साहब, अभी जवाब नहीं आया है हमारे पास। जब आप वापस आवेंगे उस रोज इसको ले लिया जायेगा।

श्री राम सेवक यादव (बाराबंकी) : उपाध्यक्ष महोदय, मेरा एक निवेदन था इस सिलसिले में। जैसा कि डाक्टर साहब ने भी कहा था, जब तक जवाब आएगा तब तक तो इसका उद्देश्य ही समाप्त हो जाएगा क्योंकि तब तक तो चाऊ एन लाई हिन्दुस्तान को पार कर जायेंगे। मैं जानना चाहता हूं कि कहां से इनफारमेशन आती है? प्रधान मंत्री, विदेश मंत्री और मंत्राणी महोदया सब यहां मौजूद हैं। मैं जानना चाहता हूं कि क्या अड़चन पड़ रही है, कौन सी जानकारी कहां से हासिल करनी है?

उपाध्यक्ष महोदय विचार करना है और तब जवाब दिया जाएगा। जवाब आने के बाद हम फैसला देंगे।

...कर स...

डा० खालिक के दियेग (फर्रुखाबाद) : इसको यादः गुना है। लेकिन मेरे पत्र में तीन गलत बयानियां बतायी गई हैं, दो हैं चीनी नेताओं के सम्बन्ध में और एक है कनेडी के मृत्यु संस्कार के सम्बन्ध में तीनों गलत बयानियों के बारे में सुधार की मैं अपेक्षा करता हूं।

श्री बागड़ी (हिसार) : एक मिनट मेरी भी सुन लीजिये। जो बात डाक्टर लोहिया ने रखी थी उसके लिए आप यह कह रहे हो कि इसका बाद में जवाब दिया जाएगा। मैं इस के बारे में थोड़ा सा यह निवेदन करना चाहता हूं कि लोक सभा में तो बहुमत के कारण यह बात चल सकती है लेकिन हिन्दुस्तान की जनता को इसका पता लग जाए तो [illegible] विरोध करेगी। इसलिये अच्छा है कि हिन्दुस्तान की जनता की भावनाओं का खयाल रख कर इस चीज को अभी रोक दिया जाता क्योंकि अभी तो वह यात्रा करने वाले हैं।

17.06 hrs.

MOTION RE: REPORT ON MID-TERM APPRAISAL OF THIRD YEAR PLAN—*contd.*

Shri Shivaji Rao S. Deshmukh: Mr. Deputy-Speaker, Sir, I thank you for having given me an opportunity to participate in the debate on this Mid-term Appraisal of the Third Five Year Plan. On hearing very carefully to the various speeches made in the course of the debate, it appears to me that what is undergoing before this House is not only Mid-term Appraisal but it appears to be Mid-stream Appraisal. It is said that when you are in mid-stream and if you are in difficulties, this Mid-stream Appraisal only helps you if you have got the chances of servival. And, I think, the only conclusion that can conveniently emerge out of this debate is that even